Result Mitra Daily Magazine

भारत में वैक्सीनेशन रिपोर्ट

हालिया सन्दर्भ:-

- हाल में जारी किए गए WHO एवं UNICEF के राष्ट्रीय टीकाकरण कवरेज (WUENIC) के अनुमानों से पता चला है कि 2023 में 2022 की तुलना में बच्चों के टीकाकरण में कमी आई है।
- डिप्थीरिया, पर्टुसिस एवं टिटनेस (DPT) वैक्सीन के कवरेज में पिछले वर्ष की तुलना में 2% की कमी दर्ज की गई है।
- 2022 में DPT में टीकाकरण 95% था, जबकि 2023 में यह 93% दर्ज किया गया।
- उपरोक्त रिपोर्ट "शून्य खुराक" टीकाकरण से संबंधित है।

रिपोर्ट की मुख्य बातें :-

- रिपोर्ट में भारत के अलावा चीन, इथोपिया, नाइजीरिया, यमन, इंडोनेशिया, सोमालिया, वियतनाम, पाकिस्तान, अफगानिस्तान जैसे देशों का रिकॉर्ड शामिल है।
- इस रिपोर्ट में कुल मिलाकर 20 देशों में बच्चों के "शन्य खुराक" टीकाकरण से संबंधित रिकॉर्ड शामिल किया गया है।

- इन 20 देशों को टीकाकरण एजेंडा-2030 के तहत प्राथमिकता दी गई है, जो 2021 में शून्य खुराक के डोज पर आधारित है।
- TOP -20 जीरो-डोज वाले देश में चीन का स्थान 18वाँ, जबकि पाकिस्तान का स्थान 10वाँ है।
- शून्य खुराक वाले बच्चों की संख्या के आधार पर भारत लगभग 16 लाख बच्चों के साथ दूसरे नंबर पर है, जबकि नाइजीरिया 2023 में 21 लाख शून्य खुराक बच्चों के साथ पहले स्थान पर है।
- भले ही संख्यात्मक मामले में भारत दूसरे स्थान पर है, लेकिन कुल आबादी की तुलना मे यह सिर्फ 0.11 % है, जो काफी कम है।
- भारतीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि रिपोर्ट त्रुटिपूर्ण है, क्योंकि रिपोर्ट में जनसंख्या को आधार नहीं बनाया गया है।
- भारत की स्थिति 2021 से बेहतर हुई है, जब देश में शून्य खुराक वाले बच्चे की संख्या 27.3 लाख थी।

भारत की स्थिति :-

- DPT (1) के जीरो डोज के लिये वैश्विक स्तर 89 % है, जबकि भारत में यह 93% है, अर्थात भारत वैश्विक रिकॉर्ड से 4 % बेहतर स्थिति में है।

- DPT(3) टीकाकरण की दृष्टि से भारत में 91% बच्चों का टीकाकरण हुआ है, जबकि इस मामले में वैश्विक औसत 84% है, अर्थात भारत में 7% ज्यादा बच्चों को Vaccine दिया जाता है।
- इसके अलावा भारत में MCVI (Measles Zero Dose) 92% है, जबकि इस मामले में वैश्विक कवरेज सिर्फ 83 % है।
- भारत में Zero Dose वाले बच्चों तक टीकाकरण व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के लिये सभी कोशिशें की जा रही हैं।

- स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इन बच्चों के लिये एक स्पेशल जीरो डोज योजना बनाई गई है और इसे लागू भी किया जा रहा है।
- WHO ने अपने रिपोर्ट में कहा कि दक्षिण-पूर्व एशियाई देश को सभी स्तर पर प्रयास किये जाने चाहिये ताकि बचे हुए बच्चों के लिये उनकी पहचान कर, उनका टीकाकरण किया जा सके।
- रिपोर्ट के मुताबिक महामारी के 3 वर्ष बाद भी भारत DPT और खसरे के टीकाकरण के मामले में महामारी से पूर्व की स्थिति में नहीं पहुँच पाया है।
- हालांकि 2020 में शून्य-खुराक वाले बच्चों के टीकाकरण की दर 87% और 2022 में 88% है एवं वैश्विक 89% से भी ज्यादा है, लेकिन जनसंख्या ज्यादा होने से टीकाकरण रहित बच्चों के मामले में भारत पहले स्थान पर बना हुआ है।

DPT वैक्सीन कवरेज :-

- WUENIC के रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में भारत में 1.6 मिलियन ऐसे बच्चे हैं, जिन्हें कोई टीका नहीं लगा, जबकि 2022 में यह संख्या सिर्फ 1.1 मिलियन था।
- 2019 में 1.4 मिलियन और 2021 में ऐसे बच्चों की संख्या 2.73 मिलियन था।
- पूर्ण रूप से टीकाकरण मिलने वाले बच्चे (जिन्हें कोई भी एक डोज न लगा हो) की संख्या 2023 में 2.44 मिलियन है, जबकि 2019 में ऐसे बच्चों की संख्या 2.11 मिलियन था।

चिंता का कारण नहीं :-

- सरकार के टीकाकरण कार्यक्रम के एक विशेषज्ञ के अनुसार, टीकाकरण दर में दर्ज मामूली गिरावट चिंता का कारण नहीं है। बल्कि यह प्रयासों को तीव्र करने का संकेत है।

- विशेषज्ञों के मुताबिक किसी भी टीकाकरण कार्यक्रम को सामान्य प्रयास से 70% तक कवरेज प्रदान किया जा सकता है, लेकिन 90% से ज्यादा की स्थिति में रणनीति बदलनी पडती है।
- 90 % से ज्यादा का लक्ष्य प्राप्त करने के लिये भारतीय टीकाकरण कार्यक्रम को विशेष विवरणों पर ध्यान देना होगा।
- जैसे प्रवासी आबादी, जो आंतरिक प्रवास करते हैं, उनके वापस घर आने पर टीकाकरण सुनिश्चित किया जा सकता है।
- अन्य विपरीत मौसम परिस्थितियों जैसे चक्रवात, बाढ आदि के दौरान टीकाकरण से छूटे बच्चों का बाद में टीकाकरण किया जा सकता है।

शून्य खुराक

- शून्य खुराक वाले बच्चे उन्हें कहा जाता है, जिन्होने कोई भी नियमित टीका नहीं लगवाया है।
- इन बच्चों में वे शामिल होते है, जिन्होने DPT वाले टीके की पहली खुराक यानि DPT (1) भी नहीं लिया है।

पूर्ण टीकाकरण

- पूर्ण टीकाकरण का तात्पर्य है कि एक बच्चा अपने जीवन के पहले वर्ष के दौरान दिये जाने वाले 8 टीकों की समूह का खुराक प्राप्त करे।

समूह में शामिल टीके -

- जन्म के समय ही Single Dose के रूप में TB के लिये BCG का टीका,
- जन्म के समय ही पोलियो का पहला टीका,
- जन्म के बाद चार-चार सप्ताह के अंतराल पर पोलियो के 2 और टीके।
- डिप्थीरिया, पर्टुसिस (काली खांसी) एवं टिटनेस को रोकने के लिये टीके की 3 खुराक,
- खसरे (Measles) को रोकने के लिये 1 खुराक,

DPT

- D यानि डिप्थीरिया, P यानि पर्टुसिस या काली खाँसी तथा T यानि टिटनेस मनुष्यों को होने वाली संक्रामक बीमारियों को संदर्भित करता है, जिससे बचने के लिये DPT का टीका लगाया जाता है।
- उपरोक्त तीनों बीमारियों जीवाणु जनित (Bacterial) है।

Result Mitra TM

- टिटनेस का संक्रमण कटे, जले हुये घावों के वजह से होता है, जबकि डिप्थीरिया एवं काली खाँसी का संक्रमण एक मानव से दूसरे मानव में होता है।
- डिप्थीरिया में जीवाणु द्वारा नाक एवं गले को प्रभावित किया जाता है, जिसमें नाक एवं गले की श्लेष्मा झिल्ली (Mucous Membrane) प्रभावित हो जाता है।
- इसके सामान्य लक्षणों में गले में सूजन, गले में दर्द होना तथा खाना या पानी निगलने में दर्द होना शामिल है।
- टिटनेस के फलस्वरूप शरीर के मांसपेशियों में जकडन आ जाती है। इसमें जबडा अकड जाता है तथा खाने-पीने के लिये मुँह खोला नहीं जाता है।
- काली खाँसी या पर्टुसिस बेहद खतरनाक होता है तथा यह निमोनिया, मस्तिष्क संवेदनहीनता एवं मृत्यु तक का कारण बन सकता है।
- इसमें बच्चों को सामान्यः सांस लेने एवं खाने-पीने में समस्या हो सकता है।
- खसरा विषाणु जनित रोग है, जिसका संबंध मॉर्बिली वायरस समूह से है।
- यह बेहद संक्रामक रोग है, जो बीमार व्यक्ति के संपर्क में आये 90 % तक को संक्रमित कर सकता है।
- यह मुख्यतः श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है, जो पूरे शरीर में फैल जाता है।
- इसे रोकने में Measles का 2 खुराक वाला टीका पूरी तरह कारगर है।

TD Vaccine :-

- यह टिटनेस एवं डिप्थीरिया से सुरक्षा प्रदान करने के लिये दिया जाता है।
  - **नोट** :- यह टीका केवल 7 वर्ष से ज्यादा उम्र वालों को दिया जाता है।
- TD की खुराक सामान्यतः 10 वर्षों के लिये बूस्टर डोज के रूप में दिया जाता है।

भारत में टीकाकरण कार्यक्रम :-

सार्वभौमिक टीकाकरण अभियान :-

- 1978 में स्वास्थ एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू,
- पूर्व में "विस्तृत टीकाकरण कार्यक्रम" नाम
- 1985 में सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम में परिवर्तित

2. मिशन इंद्रधनुष :-

- 2 वर्ष से कम उम्र के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण का लक्ष्य,
- 12 बीमारियों के लिये टीका की व्यवस्था,

Result Mitra TM

3. सघन मिशन इंद्रधनुष 1.0 :-

- 2017 में शुरू
- मिशन इंद्रधनुष के तहत वंचित बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं के लिये टीकाकरण की व्यवस्था।

4.सघन मिशन इंद्रधनुष 2.0 :-

- 2019-2020 में प्रारंभ,
- पल्स पोलियो कार्यक्रम के 25 वर्ष के अवसर पर शुरू किया गया एक राष्ट्रव्यापी टीकाकरण प्रोग्राम

Result Mitra